राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सभी देशवासियों को 78 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शु

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

वाद व तुष्टिकरण से आजादी विकसित भारत की पहली जरूरत

इब्राहिम अली के साथ रिश्ते में हैं पलक तिवारी

अंक :195 | लखनऊ से प्रकाशित | लखनऊ , गुरूवार 15 अगस्त 2024 | पृष्ठ : 08 | मू

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हुई सौगोष्ठी

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में डीन फैकल्टी सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के प्रारंभ में विभाजन के दौरान लाखों शहीदों के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने कहा है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। और संस्कार से बड़ी कोई पूंजी नहीं है। मानवीय मूल्यों और संस्कारों से मजबूत व्यक्ति सशक्त समाज हण राष्ट्र का निर्माण करता है। इस अवसर पर प्रोफेसर एवं विभाग अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि आजादी के उन बलिदानियों को नमन करना चाहिए। जिन्होंने विभाजन के दर्द को सहा है। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उस की एकता, अखंडता को मजबूत रखना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा विभाजन विभीषिका को जीवंत लघु नाटिका मंचन के माध्यम से परिदृश्य किया गया। तत्पश्चात तत्पश्चात छात्र छात्राओं द्वारा व्याख्यान भी दिए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव ने किया।

अमर भारती

एक उम्मीद

देश, 06 संस्करण

पृष्ठः 18, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com गुरुवार, 15 अगस्त 2024 शक सम्वत् 1946, श्रावण शुक्ल पक्ष दशमी,

अमर भारती

स्वतंत्रता

की शुभकामनाएं

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हुई गोष्ठी

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में डीन फैकल्टी सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के प्रारंभ में विभाजन के दौरान लाखों शहीदों के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने कहा है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। और संस्कार से बड़ी कोई पूंजी नहीं है। मानवीय मूल्यों और संस्कारों से मजबूत व्यक्ति सशक्त समाज दृण राष्ट्र का निर्माण करता है। इस अवसर पर प्रोफेसर एवं विभाग अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि आजादी के उन बलिदानियों को नमन करना चाहिए। जिन्होंने विभाजन के दर्द को सहा है। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उस की एकता, अखंडता को मजबूत रखना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा विभाजन विभीषिका को जीवंत लघु नाटिका मंचन के माध्यम से परिदृश्य किया गया। तत्पश्चात तत्पश्चात छात्र छात्राओं द्वारा व्याख्यान भी दिए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर कौशल कुमार, डॉक्टर सर्वेश कुमार, डॉक्टर रश्मि सिंह, डॉक्टर अर्चना सिंह डॉ सोमवीर सहित एक सैकड़ा से अधिक लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 301 | मूल्यः ₹ 3.00/- | पेज : 16+3 (वेबसाइट संस्करण) | गुरुवार | 15 अगस्त, 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लाखों शहीदों अमर बलिदानियों को दी गई श्रद्धांजलि

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देशक्रम में डीन फैकल्टी सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर बुधवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के प्रारंभ में विभाजन के दौरान लाखों शहीदों के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई। अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.मुनीश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉ.मुक्ता गर्ग ने कहा है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है

और संस्कार से बड़ी कोई पूंजी नहीं है। मानवीय मूल्यों और संस्कारों से मजबूत व्यक्ति सशक्त समाज व दृढ़ राष्ट्र का निर्माण करता है। इस अवसर पर प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ.मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि आजादी के उन बलिदानियों को नमन करना चाहिए। जिन्होंने विभाजन के दर्द को सहा है। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उस की एकता, अखंडता को मजबूत रखना के साथ राष्ट्र को सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के डॉ.खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा विभाजन विभीषिका को जीवंत लघु नाटिका मंचन के माध्यम से परिदृश्य किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.राजीव ने किया। इस अवसर पर डॉ.कौशल कुमार, डॉ.सर्वेश कुमार, डॉ.रश्मि सिंह, डॉ.अर्चना सिंह डॉ.सोमवीर सहित एक सैकड़ा से अधिक लोग मौजूद रहे।

लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 48 कानपुर , गुरुवार 15 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2

राष्ट्रीय स्वरूप

www.rashtriyaswaro

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हुई संगोष्ठी

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में डीन फैकल्टी सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के प्रारंभ में विभाजन के दौरान लाखों शहीदों के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता गृह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग ने कहा है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। और संस्कार से बड़ी कोई पूंजी नहीं है। मानवीय मूल्यों और संस्कारों से मजबूत व्यक्ति सशक्त समाज दृण राष्ट्र का निर्माण करता है। इस अवसर पर प्रोफेसर एवं विभाग अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि आजादी के उन बलिदानियों को नमन करना चाहिए। जिन्होंने विभाजन के दर्द को सहा है।

उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उस की एकता,अखंडता को मजबूत रखना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा विभाजन विभीषिका को जीवंत लघु नाटिका मंचन के माध्यम से परिदृश्य किया गया। तत्पश्चात तत्पश्चात छात्र छात्राओं द्वारा व्याख्यान भी दिए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर कौशल कुमार, डॉक्टर सर्वेश कुमार, डॉक्टर रश्मि सिंह, डॉक्टर अर्चना सिंह डॉ सोमवीर सहित एक सैकड़ा से अधिक लोग उपस्थित रहे।